लखनऊ-कानपुर नमो कॉरिडोर को मिली रफ्तार

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ और कानपुर के बीच प्रस्तावित हाई स्पीड नमो भारत आरआरटीएस (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) कॉरिडोर के सर्वे और विस्तृत अध्ययन की राह में आ रही वित्तीय अड़चन दूर हो गई है।

अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए एएआर और डीपीआर तैयार कराने का खर्च एलडीए, कानपुर विकास प्राधिकरण और उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण मिलकर वहन करेंगे। शासन के निर्देश पर इस अध्ययन का कार्य एनसीआरटीसी को सौंपा गया है। एएआर और डीपीआर तैयार करने पर 6.03 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस राशि को तीनों विकास प्राधिकरण समानुपातिक रूप से साझा करेंगे।

एएआर और डीपीआर तैयार करने पर 6.03 करोड़ रुपये खर्च होंगे

यह कॉरिडोर लखनऊ, उन्नाव और कानपुर के बीच तेज, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। डीपीआर के माध्यम से प्रस्तावित मार्ग, स्टेशनों की संख्या, यात्री क्षमता, लागत और परियोजना की व्यवहार्यता का विस्तृत आकलन किया जाएगा।